RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2021-23

पिघलता हिमालय

वर्ष 38 अंक 42 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 27 मार्च 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिय,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

कैबिनेट बैठक के निर्णय और प्रदर्शन

चुनाव से पहले आँखमिचोली का शो

कार्यालय प्रतिनिधि

उत्तराखण्ड सरकार कैबिनेट बैठक में सरकार के निर्णय और विपक्षी हंगामे के शो को सीधे-सीधे आने वाले समय के चुनाव के जोड़कर देखा रहा रहा है। पक्ष-विपक्ष का शो जनता के साथ आंखमिचौली नहीं तो और क्या है? सदन में एक ओर सरकार के निर्णय और बाहर विपक्ष का प्रदर्शन चुनाव से पहले का शक्ति प्रदर्शन सा लगा। प्रदेश की पांचवी विधानसभा के पहले बजट सत्र में विपक्षी सदस्यों का उग्र प्रदर्शन पर उन्हें दिनभर के लिये निलम्बित किया गया।

कैबिनेट ने अपने तय मुद्दों को मंजूरी दी। सरकार का सीधा सा था कि गैरसैंण में बैठक करवाकर अपनी बात रखी जाए, जिसमें वह सफल हो गई। उत्तराखण्ड राज्य निर्माण आन्दोलनकारियों और उनके आश्रितों को सरकारी नौकरियों में दस फीसदी क्षैतिज आरक्षण देने पर कैबिनेट ने मुहर लगाई।

धामी सरकार-2 का दूसरा बजट सत्र हंगामों के बीच हुआ जिसमें नई सोलर पॉलिसी को कैबिनेट ने मंजूरी दी। राज्य में 2027 तक सोलर प्लान्ट से 2500 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

राज्य सरकार ने रायपुर प्रस्तावित विधानसभा और सचिवालय भवन के आसपास जमीनों की खरीद-फरोख्त पर 6 माह के लिये रोक लगा दी है।

आवास विकास की ओर से देहरादून में 1050 वाहनों की पार्किंग के लिए योजना तैयार की जायेगी। इस योजना का विकास इन्दिरा मार्केट पुनर्विकास परियोजना के तहत होना है। साथ ही राजधानी के तरलानागल में हैलीड्रोम के सामने सिटी पार्क का भी निर्माण किया जाना है। इस सिटी पार्क को 12.45 हेक्टेयर में बनाया जाना है। राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में विभिन्न सेवाओं में ड्रोन की उपयोगिता को देखते हुए सरकार ड्रोन सेवाओं को बढ़ावा देगी। इसके लिये राज्य में ड्रोन नीति तैयार हो रही है। इसके साथ ही सरकार राज्य डेटा नीति और ई वेस्ट नीति भी तैयार कर रही है।

अब सुविधा होगी कि उत्तराखण्ड में भूअधिकार और उससे जुड़े मुआवजे के विवादों को निस्तारण जिला स्तर पर ही हो। इसके लिये कैबिनेट में हर जिले में भूमि अर्जन, पुनर्वासन, पुनव्यवस्थापन, प्राधिकरण के गठन को मंजूरी दे दी है। अब जिले में प्राधिकरण के पीठासीन अधिकारी का दायित्व जिला जज या उनके स्तर से नामित अपर जिला जज के पास रहेगा।

कैबिनेट के दौरान कांग्रेस का गैरसैंण विधानसभा घेराव प्रदर्शन भी जबर्दस्त रहा। करीब बीस जगह अवरोधक होने के बावजूद प्रदर्शनकारी भारी संख्या में गेट तक पहुँचे। प्रदेश में जंगलराज का आरोप लगाते हुए कांग्रेस के सभी बड़े छोड़े नेता शामिल रहे। उत्तराखण्ड क्रान्ति दल ने गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाने की मांग को लेकर सचिवालय कूच किया। पार्टी ने कहा कि सरकार गैरसैंण में विधानसभा सत्र के नाम पर पिकनिक मनाना छोड़ दे। कांग्रेस ने यूकेएसएसएससी, अडानी, अंकिता भण्डारी हत्याकाण्ड समेत कई मुद्दों पर गैरसैंण विधानसभा घेराव किया। प्रदेश अध्यक्ष करन महरा के नेतृत्व में प्रदेशभर से आए कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में पूर्व अध्यक्ष गणेश गोदियाल, जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश नेगी, पूर्व विधायक ललित फर्सवाण, विजय सजवाण, गोविन्द कुन्जवाल, मनीष खण्डूरी, जीत राम, रश्मी रौतेला, प्रदीप टम्टा प्रमुख थे। प्रदर्शन के लिये जा रहे पूर्व सीएम हरीश रावत को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुरानी पेंशन की मांग को लेकर कर्मचारियों की ओर से भी विधानसभा कूच किया गया, जिनकी पुलिस के साथ धक्का-मुक्की हुई।

फिलहाल धामी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिये 77407.08 करोड़ का बजट प्रेश किया। इस बजट में रोजगार, पर्यटन, निवेश और युवाओं पर खासतौर पर फोकस किया गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, कृषि, उद्यान, लोनिवि, चिकित्सा, शिक्षा, समाज कल्याण, महिला एवं बाल कल्याण विभग को सबसे ज्यादा बजट दिया गया है। वित्त मंत्री डॉ.प्रेमचन्द अग्रवाल ने कुमाउंनी में अपने भाषण की शुरुआत करते हुए फूलदेई पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सशक्त उत्तराखण्ड की बात करते हुए कहा कि इको सिस्टम तैयार हो रहा है।

बीते दिन — इत्तेफाक

एम.एस.सयाना

आज से लगभग 20 वर्ष पूर्व मैं जिला चमोली के थराली विकासखण्ड में सब डिप्टी इन्सपेक्टर एसडीआई के पद पर पर कार्यरत था। मैं मुनस्यारी से थराली अवकाश पर जाया करता था, एक बार में होली में अवकाश पर मुनस्यारी गया था। अवकाश समाप्त होने के उपरान्त मैं अपने विकासखण्ड थराली जा रहा था उन दिनों आज की तरह टैक्सी आदि साधन नहीं थे, केएमओयू ही यात्रियों का मुख्य साधन था। मैं घर से गरुड़ तक गाड़ी में आया, उसके पश्चात ग्वालदम तक जाना था। उन दिनों हल्द्वानी से ग्वालदम तक मात्र एक केएमओयू की गाड़ी आती थी, मैं भी उसी गाड़ी का इन्तजार कर रहा था। लगभग एक घण्टा इन्तजार करने के पश्चात हल्द्वानी से केएमओयू की गाड़ी आ गई तो काफी लोग उस गाड़ी का इन्तजार कर रहे थे। दस मिनट गाड़ी गरुड़ में रुकने के दौरान हल्द्वानी के यात्रियों ने गरुड़ में भोजनपानी किया। तत्पश्चात कन्डक्टर ने सीटी बजाई, मैं एक खाली सीट पर बैठ गया, उस सीट पर पूर्व में एक फौजी जो अवकाश पर घर जा रहा था टोकते बोला- मेरी सीट तुरन्त खाला करो। गुस्साया फौजी भाई बहुत बुरा-भला तक कहने लगा। मैंने विनम्रता पूर्वक सीट खाली कर दी लेकिन वह बड़बड़ाता रहा। वह लोगों के कहने पर भी चुप नहीं हुआ। मै। खड़े-खड़े उस गाड़ी में ग्वालदम पहुँच गया। ग्वालदम थराली विकासखण्ड में ही आता है। ग्वादलम पहुँचने पर काफी चिरपरिचत मिल गये। उनके साथ्ज्ञ खूब गपशप हुई, चाय-पानी पीने तक दयाल सिंह साह ने मेरे छोले को फ्रन्ट सीट पर रख दिया। दयाल जी ग्वालदम वाली गाड़ी को ले जाने वाले थे, उसमें थराली तक काफी सवारी जाती हैं। इसी गाड़ी में वह फौजी को भी देवाल तक जाना था, वह अपने काले रंग के बड़े से टिन वाले बक्से और होलडोल को बस में चढ़ाने लगा। चूंकि ग्वालदम में सामान चढ़ाने वाले कुली जैसी व्यवस्था तो थी नहीं। दयाल ने सामान चढ़ाने में मदद की। कुछ देर बाद दयाल ने सीटी बजाई और सारे यात्री गाड़ी में सवार हो गये। गाड़ी चल पड़ी।

थराली में मैंने अर्दली केदार सिंह को उक्त तिथि को स्टेशन आने के लिये पूर्व में ही कह दिया था। निर्धारित तिथि को वह भी इन्तजार कर रहा था। बस रुकी, वह मेरे हाथ का झोला आदि लेकर चला गया परन्तु मैं उस फौजी को

शेष पृष्ठ 2 पर

रुद्रपुर में अतिक्रमण ध्वस्त

शहर की राजनीति नये सिरे से गरमाई है

रुद्रपुर। रामनगर में जी-20 सम्मेलन की तैयारी के लिये रुद्रपुर शहर तक पूरी तरह नज़र में रहा है, जिसका परिणाम सौ से ऊपर दुकानों पर जेसीबी चल गई। अतिक्रमण हटाने के विरोध में शहर में खूब घनघोर हुई लेकिन जब तोड़फोड़ हो गई है, शहर की राजनीति नये सिरे से गरमाई है। वैसे भी रुद्रपुर व्यापारिक मण्डी है और अधिकतर व्यापारी मुख्य मार्गों पर अपने कारोबार जमाए हुए हैं, राजनीति और दबंगता के बल पर मुख्य स्थानों पर घेराबन्दी नई बात नहीं है। पहले भी कई बार अतिक्रमण हटाने की बात होती रही है लेकिन नेताओं और छुटभैयों को लेकर मामला स्थानीय स्तर पर निपटा लिया जाता था। लेकिन इस बार जी-20 के रास्ते में आने वाले किसी भी गड़बड़ को प्रशासन सख्ती से हटाने की तैयारी कर चुका था।

विधायक शिव अरोरा, मेयर रामपाल व्यापारियों से वायदे करते रह गये। सुपर मार्केट एवं राम मनोहर लोहिया बाजार में वर्षों। से कारोबार कर रहे दुकानदारों को अपने इन नेताओं पर ही अन्तिम भरोसा था लेकिन अतिक्रमण पर ये क्या कर लेते? अब इनका कहना है कि कोई रास्ता निकाला जायेगा। दूसरी ओर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल दुकानों के ध्वस्त होने पर कह रहे हैं- विधायक शिव अरोरा ने दुकानदारों के साथ छलावा किया है। पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना शर्मा का कहना है कि शासन प्रशासन ने दुकानदारोंको मोहताज कर दिया है। किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ कह रहे हैं, ध्वस्तीकरण की कार्रवाई दुर्भाग्यपूर्ण है।

कुल जमा मामला यह है कि अतिक्रमण तो हट चुका लेकिन रुद्रपुर की राजनीति में शहर व इसके मुख्य मार्गों पर कब्जे को लेकर ताना-बाना बुना जाता रहेगा और राजनीति छल-छद्म और ज्यादा होंगे।

कैंटोनमेंट के चुनाव रद्द

रानीखेत में तो बहिष्कार की रणनीति बनी

रानीखेत। रक्षा मंत्रालय की ओर से देश के 57 कैंटोनमेंट में करवाए जाने वाले चुनाव रद्द होने के बाद रानीखेत में फिलहाल रणनीति बदली है। यहाँ कैंट चुनाव बहिष्कार को लेकर क्षेत्रवासी मुखर हैं। गांधी चौक पर धरना प्रदर्शन कर विरोध किया गया। जुलूस निकालते हुए प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए 'आज दो अभी दो कैंट से आजादी दो'। चुनाव बहिष्कार को लेकर लम्बी रणनीति क्षेत्रवासी बना चुके हैं। उनका कहना है कि क्षेत्र के विकास के लिये नये सिरे से जुटना होगा। धरना प्रदर्शन करने वालों में व्यापार मण्डल, छावनी परिषद के निवर्तमान सभासद, होटल एसोसिएशन, छात्र संघ, महिला संगठन, सभी राजनीतिक और गैर राजनीतिक संगठन थे। सभा को दीप भगत, हेमन्त मेहरा, दीपक करगेती, अतुल जोशी, मोहन नेगी, कैलाश पाण्डे, रचना मेहरा, मुकुल शाह, जगदीश अग्रवाल ने सम्बोधित किया।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

सड़क-गली-गूल-खड़ंजा घेरने की एकतरफा कोशिश घातक

सोर घाटी में इस बार २२ गाँव के लोगों ने जबर्दस्त आन्दोलन किया है जो चैतोल मार्ग खोलने को लेकर है। ग्रामीणों का कहना है कि एमईएस उनके पौराणिक मार्ग को बन्द कर रहा है जबकि चैतोल पर्व के दौरान इस्तेमाल होने वाले पौराणिक मार्ग को वह बचपन से जानते हैं। इसे खोले जाने की मांग को लेकर रक्षा राज्यमंत्री से लेकर जिला प्रशासन तक ग्रामीणों ने गुहार लगा दी है।

सेना और सिविल नागरिकों के बीच रास्ते को लेकर यह विवाद पुराना है। पूर्व में भी कई बार ग्रामीण विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। चैतोल मार्ग के अलावा सेरादेवल मन्दिर, कुसौली, दौला, लेलू-सुवाकोट, सिमखोला-भड़कटिया, कासनी-सेरादेवल, मुंगरू बाबा मन्दिर की आवाजाही करने वाले रास्ते पर यह विवाद की स्थित है। बहुत ही शान्त मन से विचार करें तो यह रास्ता वाकेई ग्रामीणों का पुराना मार्ग है इस पर उन्हें आवाजाही का अधिकार होना चाहिये लेकिन यह भी सुनिश्चित हो कि सेना क्षेत्र के कारण इसमें किसी भी तरह से अतिक्रमण न हो।

अक्सर होता यह है कि सड़क-गली-गूल-खड़ंजा घेरने की प्रवृत्ति यह मान लेती है कि हमारे आवास के सामने जो कुछ है वह उनका ही है, जबकि सार्वजनिक मार्ग व सम्पत्ति को भी व्यवस्थित रखने में योगदान देना चाहिये। इस प्रकार के अतिक्रमणों से शहर, कस्बे तंग हो चुके हैं। मोहल्लों की गलियों में अपनी-अपनी ओर से आगे बढ़ने की प्रवृत्ति ने वहाँ के लोगों को परेशान कर दिया है। सबकुछ जानने-सुनने-देखने के बाद भी यदि हम नहीं चेते तो इसका कोई समाधान नहीं हो सकता है। इसलिये अपनी ओर से ही अपने आस पास स्वच्छ-सुन्दर बनाने में योगदान देना होगा।

रही बात चैतोल मार्ग की, यह २२ गाँव का बड़ा मसला है और इस समस्या का समाधान तो निकालना ही होगा। आज नहीं तो कल क्षेत्र विकास के लिये भी इस पर कार्य होना ही है। इसलिये अभी से ही अच्छा हो जाए।

इत्तेफाक.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

निहारता रहा कि आँखिर वह जा कहाँ रहा है। कुछ देर बाद कुली लेकर देवाल की ओर जाने लगा।

उन दिनों 15 अप्रैल के पश्चात कक्षा 5 की परीक्षा आरम्भ हो जाती थी, परीक्षा परीक्षा में 8-9 विद्यालयों का केन्द्र होता था। दो दिनों तक परीक्षा के बाद अगले दिन परीक्षाफल घोषित किया जाता था। केन्द्र स्तर पर ही प्रश्नपत्र तैयार होता था, यह सम्पूर्ण परीक्षा डिप्टी की देखरेख में सम्पन्न होती थी। उसी के अनुमोदन पर परीक्षाफल घोषित होता था।

उन दिनों दो प्रकार के अध्यापक होते थे। बोर्डर डिस्ट्रिक में राजकीय अध्यापक तथा अन्य विद्यालयों में बेशिक शिक्षा परिषद के अध्यापक होते थे। राजकीय अध्यापकों को प्रतिमाह मनीआर्डर भेजा जाता था तथा परिषदीय विद्यालय के अध्यापकों को 7-8 महीने में वेतन मिलता था। उनकी दशा काफी दयनीय होती गयी, बिना उधार के परिवार चलाना दूभर होता। ग्रामवासी उनके जीवन को व्यवस्थित करने में मददगार थे, बारी-बारी से उन्हें दाल- चावल, घी-मसाला देकर काम चलता था। वे प्राय: खादी का कुर्ता-पैजामा तथा सिर पर सफेद टोपी पहना करते थे। साथ ही उनकी जेब में एक चाकू हमेशा रहता था ताकि वे उससे बच्चों के लिये कमल बना सकें।

खैर, अब मुख्य विषय पर चलता हूँ। मैं तथा मेरा अर्दली प्रात: 8 बजे परीक्षा लेने देवाल की ओर प्रस्थान करने लगे। देवाल से थराली की दूरी 17 किमी है तथा रास्ता पिण्डर के किनारे से होकर जाता है,। देवाल पिण्डर की तलहटी पर बसा सुन्दर गाँव है। मेरे अर्दली के पास एक बैग तथा फिलिप्स का रेडियो लटका कर चल पड़े। उन दिनों संगम फिल्म का गाना 'मेरे मन की गंगा' खूब हिट हो गया था, उस गाने को सुनने के लिये लोग एकत्र हो जाया करते थे।

थराली से चलते-चलते हम चोपड़ गाँव पहुँचे, जहाँ से परीक्षा देने 6-7 बच्चे रास्ते में खड़े थे। नीला कमीज खाकी पेन्ट पहने तथा सिर में तरबतर तेल डाले, हाथ में बाविले का झाड़ू एवं रस्सी लिये थे। साथ में उनके अभिभावक भी थे। एकाएक मेरा ध्यान गया हट्टेकट्टे सा जवान खड़ा है, चेहरे पर चेचक के दाग थे, वह भी अपने बच्चे के साथ खड़ा है। मैंने तुरन्त उस फौजी को पहचान लिया जो उस दिन गरुड़ से ग्वालदम की ओर जा रहा था तथा मैं भी उस गाड़ी में सवारी था। एक सीट के लिये इसने बहुत भला-बुरा कहा।....एक अध्यापक ने मेरा परिचय कराया हमारे साहब हैं, परीक्षा लेने देवाल जा रहे हैं। मैं उन दिनों बेस्टेट का पेन्ट, टेरोटी का कमीज तथा फ्लेस का जूता तथा आँख धूप चस्मा पहने था, जो अन्य लोगों की तुलना में साहब जैसा ही लग रहा था। उस व्यक्ति ने भी तुरन्त मुझे पहचान लिया क्योंकि मेरी शक्ल सूरत अन्य लोगों से भिन्न थी। जैसे ही उसने मुझे पहचाना उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। जिस बच्चे के लिये वह आसाम से परीक्षा दिलवाने के बहाने घर आ रहा था उसका सपना चकनाचूर हो गया। खैर जैसे-तैसे हम नन्दकेशरी पहुँचे। वहाँ भी स्कूली बच्चे पोशाक में इन्तजारी कर रहे थे। वहाँ के हेड मास्टर कान्ती बल्लभ तिवारी जी ने आवाभगत की। हम पूरे काफिले के साथ देवाल की ओर चल पड़े। रास्ते में मेरे बचपन के साथ गोविन्द पांगती मिल पड़े, वे जोहार से 20 वर्ष पूर्व यहाँ आकर बस गये तथा ओली बुग्याल तक गाइड का काम करते थे।

चलते-चलते हम लोग अपने गन्तव्य स्थान देवाल पहुँच गये। देवाल एक छोटा सा कस्बा है। इधर-उधर के आठ विद्यालयों के छात्र, शिक्षक तथा अभिभावकों के आने काफी चहल-पहल दिख रही थी। सभी ने अपना-अपना चूल्हा बनाया और लकड़ी का बन्दोबस्त किया। तब आजकल की तरह गैसचूल्हे नहीं थे। जैसे ही मैं देवाल पहुँचा, वहाँ काफी भीड़ थी। ऐसा लग रहा था जैसे कोई बड़ा मेला आ रहा है। हेड मास्टर नारायण सिंह बिष्ट मेरी मेहमान नवाजी में जुट गये। वह बहुत ही अनुशासनप्रिय और स्वच्छता पसन्द व्यक्ति थे। चाय-पानी के बाद सभी हेड मास्टरों को अगले दिन तैयारी के लिये बुलाया गया। एक घण्टे की बैठक के बाद मैं भी भोजन कर सो गया।

अगले दिन प्रात: 8 बजे से परीक्षा आरम्भ हो गई। सबसे पहले इमला पत्र लेख तथा निबन्ध का प्रश्नपत्र था। इमला मौखिक रूप से पढ़ने के पश्चात बच्चों को लिखना होता था। कान्तिबल्लभ तिवारी की आवाज बुलन्द थी। मैंने एक चेप्टर पढ़ने को दिया जो मुझे आज भी याद है। मदन मोहन मालवीय ने कभी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। उसके पश्चात अन्य प्रश्न भी हुए। मैंने किसी को भी बाउण्ड्री के अन्दर प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी। प्रश्न पत्र दूसरे दिन के लिये सुरक्षित रखा। गणित की कापियां जाँचने के लिये अध्यापकों को दे दी। अध्यापकों के आपसी मेलजोल से लगभग सारे बच्चों को पास कर दिया परन्तु सारा रिजल्ट गणित विषय के ऊपर था। मैंने बन्द कमरे में सभी उत्तर पुस्तकें जाँची, उस वक्त फौजी भाई काफी परेशान दिख रहा था और बेचैन सा इधर-उधर चल रहा था। उसे यकीन था कि उसका बच्चा अवश्य फेल हो जायेगा। जैसे ही मैंने उत्तर पुस्तिकाएं सम्बन्धित अध्यापकों को दी, जिसका सभी को बेसब्री से इन्तजार भी था, रिजल्ट निकल गया। फौजी भाई का लड़का भी पास हो गया। वह मेरे पैर पकड़ने लगा और बोला- साहब मुझसे उस दिन गरुड़ बस अड्डे पर गलती हरे गई। मैंने आपको काफी भला-बुरा कहा। मुझे क्षमा कीजिए। मैं छुट्टी में बच्चे को परीक्षा दिलाने ही आया था। फौजी मिठाई भी ले आया लेकिन मैंने लेने से मना कर दिया परन्तु आगाह भी किया कि इन्सान किस रूप में काम आ जाए, समझें, अपने व्यवहार को मृदुल बनाये रखना चाहिये। आपका बच्चा भी मेरे बच्चे के ही समान है, उसे अपने व्यवहार में सुधार लाने हेतु प्रेरित करना चाहिये।

फौजी खुशी-खुशी अपने घर चला गया और हम पुन: अपनी अगली मंजिल को चल पड़े। मेरा मानना है कि मनुष्य को कभी भी अपने आचरण तथा व्यवहार को भूलना नहीं चाहिये। 'मधुर वचन है अति सही, कटु वचन है तीर.....

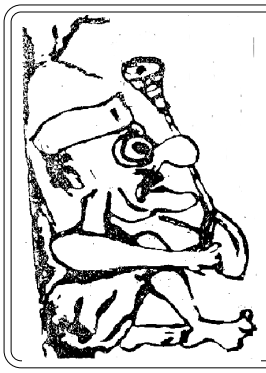

फसक

दाज्यू, सीरियल का असर समाज में चढ़ गया ठैरा

माता की चौकी से लेकर हल्दी का डीजे खूब चल रहा है बल

दाज्यू, पहली बार हमने भी 'हल्दी' का झल्ला देखा। मार झमाझम.....डीजे, एक समाज झल्लरदार कपड़े पहन कर नाचते लोग और गोलगप्पे.....। दाज्यू, पूछो मत क्या हो रहा है समाज में? सीरियल का असर समाज में चढ़ गया ठैरा। तभी तो हल्दी की रश्म निभाने के लिये बारातघर बुक करना पड़ रहा है। पैसे का धुर्रा उड़ रहा है। बारातघर को उस रात के लिये साउदी अरब मान लिया जाता है। बेलगाम चकमक में नहाने को हर कोई तैयार.....। अरख्या-फरक्या के नाचने वाले भी नाच रहे हैं। माता की चौकी से लेकर हल्दी का डीजे खूब चल रहा है बल। बिल्लू साउण्ड सर्विस वाला बता रहा था- 'अब लाइट-साउण्ड का काम बहुत बदल गया है। फड़फड़ाते लौंडों के लिये वैसे ही गाने लगाए जाते हैं। समझ आने के लिये कोई नहीं नाचता, सब अपना पसीना निकाल रहे हैं।'

दाज्यू, बिल्लू भाई ठीक ही कह रहा है। सबको हड़बड़ाहट है। देखो जरा, खटीमा में विधायक की गुमशुदगी के पोस्टर लगा दिये गये। पोस्टर देख कांग्रेसी और विधायक की पत्नी भारी गुस्से में थे और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। दाज्यू, खटीमा मस्तकलन्दर शहर हो चुका है। आए दिन छात्र नेताओं का तूफान.....। पता नहीं संभालने वाले क्या संभाल रहे होंगे। पूर्णागिरी मेले में छेड़छाड़ कर रहे दो युवकों को पीटकर बेहदम कर डाला बल। दाज्यू, बेरहम, बदहवास, बेलगाम बहुत घूम रहे हैं। भगवान भरोसे चल रही है दुनिया। रश्म निभाने वाले मर-तर कर भी निभा रहे हैं। पिथौरागढ़ जिला पूर्ति कार्यालय के वैयक्तिक सहायक से एक सस्ता गल्ला विक्रेता के पति ने मारपीठ कर डाली बल। हरिद्वार में नन्दा गौरा योजना में फर्जीबाड़े मामले में कबीना मंत्री रेखा आर्य के निर्देश पर 193 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। फर्जी आय प्रमाण पत्र बनाये हुए थे थे बल।

दाज्यू, नगर पालिका नैनीताल क्षेत्र में आक्रामक कुत्तों पर नियन्त्रण के लिये डॉग पाउंड बनाने की तैयारी है। एसडीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुत्तों का पुन: सर्वे करने को कहा गया है। पशु प्रेमियों से भी कहा है कि सड़क पर आवारा कुत्तों को खाना आदि न दें।

प्रदेश में बिजली 12 प्रतिशत तक महंगी हो सकती है बल। नियामक आयोग की मुहर भी लग गई। दाज्यू, आग और पानी का खेल ही तो सभ्यताओं के विकास में चलता रहता है। गरमागरम खाना और कूल-कूल पीना.....। भर्ती परीक्षा पेपर लीक काण्ड में एसआरटी ने फरार चल रहे 50 हजार के इनामी आरोपित पूर्व भाजपा नेता संजय धारीवाल को गिरफ्तार कर लिया। रुद्रपुर में कोचिंग सेन्टर चलाता था बल। हल्द्वानी के नवाबी रोड में फाइनेंस कम्पनी चलाने वाला संचालक लाखों रुपये लेकर फरार हो गया है। अच्छे व्याज के झांसे में बहुत लोग चपेट में आ जाने वाले ठैरे। दाज्यू, बहुत गनर-मनर हो रही है। अल्मोड़ा में हिस्ट्रीशीटर सोनू 6 माह के लिये जिला बदर कर दिया है।

दाज्यू, रुद्रपुर में छात्र संघ अध्यक्ष एक निजी अस्पताल में नोकझोंक करने लगा था। पुलिस जुबा नेता को कोतवाली उठा लाई, उसके बाद लिलित माफीनामे से बात पूरी हुई। दाज्यू, आप जानने ही वाले ठैरे कि लौंडे-मौंडे छात्र संघ का बन जाने के बाद फूंफाट करने ही वाले हुए। उम्र और अक्ल की भेंट नहीं होती है बल। रामनगर में हुए सेमिनार में जलस्रोत सूखने पर चिन्ता की गई। दाज्यू, सूखने पर चिन्ता होने ही बाली ठैरी। जमाने का मुंह सूख रहा है और चटरुवाओं का सूज रहा है। रंग और नूर की बारात सब जगह थोड़ा ही होती है। कैटरीना बनने के लिये भीड़ दौड़ रही है। सलमान खान बनने वाले भी कम नहीं हैं। जमाने के समन्दर में कौन कितना पीता है कौन कितना बिखेता है इसका हिसाब कुछ वर्षों के बाद पता चलता है बल। अभी तो समय बेतुका लग रहा है। अपनी-अपनी धार ऊँची करते रहो। पहाड़ की टोपी की जगह मोदी टोपी का रिवाज चल रहा है। हमारा गनरुवा और हरुवा भी कोटाबाग में टोपी पहन कर फुरड़ी रहा है। सीरियल का असर वहाँ भी चढ़ा हुआ है। बीस तक के पहाड़े पूरे याद हैं उसे। बनाने को जितना चाहे।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सजग रहें

तापमान बढ़ने से धधकते जंगल

डॉ.हरीश चन्द्र अन्डोला

उत्तराखण्ड में मार्च तकरीबन सूखा गुजरने की कगार पर है। करीब छह जिलों में एक बूंद भी बारिश नहीं हुई है। जबकि, अन्य में भी न के बराबर बारिश हुई। इस बीच तापमान में भी तेजी से बढ़ोतरी हुई है। करीब तीन सप्ताह से ज्यादातर क्षेत्रों में पारा सामान्य से चार से छह डिग्री सेल्सियस अधिक बना हुआ है। उत्तराखण्ड में अप्रैल से ही उछाल भरते पारे ने आमजन की मुसीबत तो बढ़ा ही दी है, वन सम्पदा के लिए भी बड़ा खतरा पैदा हो गया है। तापमान बढ़ने के साथ ही राज्य में जंगल धधकने लगे हैं। इससे वन विभाग के अधिकारियों की परेशानी पर बल पड़े हैं। यद्यपि, वन विभाग की टीमें अग्नि दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए जुटी हैं, लेकिन चिन्ता कम होने का नाम नहीं ले रही। यह इसलिए भी बढ़ गई है, क्योंकि मौसम विभाग ने अगले कुछ दिन मौसम शुष्क रहने की सम्भावना जताई है। यानी, पारा और उछाल भरेगा। ऐसे में सबकी नजरें आसमान पर गड़ी हैं कि कब इन्द्रदेव मेहरबान हों और जंगलों में आग पर नियंत्रण हो।यह किसी से छिपा नहीं है कि 71.05 प्रतिशत वन भूभाग वाले उत्तराखण्ड में हर साल ही आग से वन सम्पदा को भारी क्षति पहुँचती है। पहले तो फायर सीजन यानी 15 फरवरी से मानसून आने की अवधि तक ही जंगल अधिक सुलगते थे, लेकिन अब यह अवधा रणा टूटी है।वर्ष 2020 में सर्दियों में ही जंगल धधक उठे थे। इसे देखते हुए तब सरकार ने पूरे वर्ष को फायर सीजन के रूप में घोषित कर दिया था। पिछले वर्ष सर्दियों में लगातार बारिश व बर्फबारी होने के कारण स्थिति नियंत्रण में रही, लेकिन अब जबकि मौसम के शुष्क होने के साथ ही पारा उछाल भरने लगा है तो इसी अनुपात में जंगल भी सुलगने लगे हैं। इस बार 15 फरवरी से अब तक जंगलों में आग की 154 घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें 206 हेक्टेयर वन क्षेत्र को क्षति पहुँची है। अब तो जंगल की आग आबादी के नजदीक तक पहुँचने लगी है। बीते दिवस ही आग नैनीताल जिले में आबादी के पास तक पहुँच गई थी, जिसे बमुश्किल काबू पाया गया। अगले कुछ दिन मौसम के शुष्क रहने के पूर्वानुमान के मद्देनजर वन विभाग की चिन्ता अधिक बढ़ गई है। यद्यपि, विभाग ने आग की दृष्टि से सम्वेदनशील स्थल चिह्नित किए हैं, लेकिन जिस तरह से पारा उछाल भर रहा है, उससे चुनौती अधिक बढ़ गई है। पेड़-पौधों और वन्य जीव अगर वोटर होते तो राजनीतिक दलों के घोषणापत्रों में उत्तराखण्ड में हर साल धधकने वाली वनाग्नि की समस्या के समाधान के लिए जरूर कोई न कोई वादा होता। वनों में लगने वाली आग को रोकने की रणनीति या कार्यक्रम सीधे-सीधे मतदाताओं को नहीं रिझाते, इसलिए राजनीतिक दलों का ध्यान फायर सीजन में ही चुनाव होने के बावजूद इस पर नहीं गया। 71 प्रतिशत वन भूभाग वाले प्रदेश के राजनीतिक दल चुनाव में व्यस्त हैं और जिम्मेदार विभाग गरजते-बरसते मौसम के भक्त हुए जा रहे हैं। इस वर्ष जनवरी-फरवरी माह में उत्तराखण्ड में करीब 50 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। ऊँची चोटियों पर बर्फ जमी है, पहाड़ों की जमीन में नमी समाई है और चाल-खाल में भी आगे तक पानी रहने वाला है। राज्य में हर साल औसतन 1,978 हेक्टेयर वन क्षेत्र आग से सुलगता है। इससे वनस्पति एवं जैविक सम्पदा का नुकसान तो होता ही है, हिमालयी क्षेत्र का पर्यावरण भी बुरी तरह प्रभावित होता है। पिछले 12 वर्षों में उत्तराखण्ड के जंगलों में आग की 13,574 घटनाएं हुई हैं, फिर भी आग बुझाने की विभागीय तकनीकी पारंपरिक ही है। पिछले तीन-चार वर्षों से वनाग्नि की सूचना प्रसार के लिए ड्रोन का उपयोग किया जाने लगा है। आवश्यकता तो नई तकनीकी के इस्तेमाल के साथ जवाबदेह व्यवस्था विकसित करने की है। इसी कमी के कारण घटिया इरादों के लिए जंगलों में आग लगाने वालों को दण्डित किए जाने के उदाहरण कम मिलते हैं और वन अपराधी निडर हो कर यह सब करते रहते हैं। यह यहाँ की प्रकृति की देन है कि जंगलों में लगने वाली आग सतह पर ही फैलती है जिससे पेड़ों को कम नुकसान होता है, लेकिन छोटे पौधों एवं बहुमूल्य वनस्पतियों को इससे काफी हानि होती है। यह जंगलों में पनपने वाली जैवविविधता के लिए भी बड़ा खतरा है। जंगल में आग के दो कारण हैं। पहला मानवजनित है तो दूसरा प्राकृतिक। मानवजनित कारण भी दो तरह के हैं। छोटी-छोटी लापरवाही वन सम्पदा के लिए घातक हो जाती है। बीड़ी-सिगरेट या घरों के आस-पास झाड़ियों में लगाई गई आग को बहुत सामान्य तौर पर लेते हैं और यही आग अक्सर पूरे जंगल को सुलगा देती है। मानवजनित कारणों में कुछ असामाजिक तत्व अपने काले कारनामों को अंजाम देने के लिए इरादतन आग लगा देते हैं। कभी जंगली जानवरों के शिकार के लिए तो कभी आग के बाद उगने वाली हरी-घनी घास के लिए यह खतरनाक खेल खेलते हैं। कई बार वन विभाग के ही काले भेड़िये अपने काले कारनामों पर पर्दा डालने के लिए भी रक्षक से भक्षक बन जाते हैं। इस आग से हवाई पौधारोपण एवं अवैध कटान पर भी पर्दा पड़ जाता है। यह स्पष्ट है कि वनों की आग का मुख्य कारण मानव ही है। कुछ मामलों में प्राकृतिक रूप से भी जंगलों में आग लग जाती है। जानवरों की आवाजाही से ऊँचे पहाड़ों से पत्थर लुढ़कते हैं, जो कई बार टकराहट में चिंगारी छोड़ जाते हैं। यह चिंगारी जब सूखी घास एवं पत्तियों के सम्पर्क में आती है तो जंगल में आग की घातक कहानी लिख जाती है। जंगलों की आग के लिए काफी हद तक चीड़ के पेड़ भी जिम्मेदार हैं। इनकी सूखी पत्तियां गर्मियों में जंगलों में आग फैलाने में पेट्रोल सरीखा काम करती हैं। साथ ही ये बारिश के पानी को जमीन में रिसने से रोकती हैं। चीड़ के जंगलों में कोई और पौध नहीं पनप सकती है। चीड़ की यह असहिष्णुता एवं विस्तारवादी प्रवृत्ति उत्तराखण्ड के वनों के लिए बड़ी चुनौती है। चीड़ के जंगलों को सुनियोजित तरीके से उपयोगी पेड़ों के जंगल में परिवर्तित किए जाने की आवश्यकता है, पर हो इसके उलटा रहा है। चीड़ के जंगल लगातार विस्तार पा रहे हैं। जिन क्षेत्रों में चीड़ दिखाई नहीं देता था, ये आज वहाँ तक विस्तार पा चुके हैं। जंगल की आग पर काबू पाने के तौर-तरीकों में नई तकनीकी का प्रयोग जिस गति से होना चाहिए था, वह नहीं हो पा रहा है।

किसी स्थान की पारिस्थितिकी एवं उसमें विभिन्न प्रकार के जंगली जानवरों, कीट पतंगों एवं सूक्ष्म जीवाणुओं का एसोसिएशन जो इकोलाजी बनाता है, उसे बनने में हजारों वर्ष लगते हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि यदि आप किसी स्थान से निर्माण हेतु सौ पेड़ काटते हैं और किसी दूसरे स्थान पर पांच सौ पेड़ भी लगा दें तो भी आप उस नए स्थान की पारिस्थितिकी उन सौ पेड़ वाले स्थान की तरह नहीं बना सकते। सर्वप्रथम नए स्थान पर लगाए पेड़ों को बड़े होने में समय लगेगा, उनके साथ सूक्ष्म जीवाणु एवं जंगली जानवरों का तालमेल बनने में समय लगेगा। नए पेड़ उस स्थान की मिट्टी व जल को संरक्षित करने में भी समय लेंगे लेकिन क्या ये पेड़ उस दूसरे स्थान पर उस तरह की प्राकृतिक पारिस्थितिकी बना पाएंगे? यह लाख टके का सवाल है। सौ पेड़ों को काटने में सौ मिनट भी नहीं लग रहे हैं किन्तु उन सौ पेड़ों ने जो पारिस्थितिकी बनाई है, उसको बनाने में हजारों वर्ष लगे होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा कि जंगल की जितनी भी जमीन है, सब सरकारी मानी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से वन अधिनियम 1980 के तहत सबको जंगल मान लिया गया। किसी के पास निजी तौर पर भी दस से ज्यादा पेड़ हैं तो वह भी जंगल मान लिया गया। एक प्रकार से हमारी गलत नीतियों के कारण जंगलों के प्रति स्थानीय लोगों का लगाव कम हो गया। हम अगर लोगों में जिम्मेदारी का भाव लाना चाहते हैं तो उन्हें जंगल पर अधिकार भी देने पड़ेंगे। केवल वन विभाग आग लगने की घटनाओं को रोक नहीं पाएगा। पेड़ों की रक्षा के लिए जब से नियम बनने लगे तब से पेड़ों की रक्षा पर उलटा असर पड़ने लगा। जंगल को संरक्षित करने के लिए जो नियम बने उनमें यह कहीं नहीं बताया गया कि जंगल को बचाने की जिम्मेदारी किसकी है। जंगल बचाने के लिए स्थानीय लोगों को नीतियों में शामिल करना जरूरी है। अत: एक सुनियोजित एवं सामंजस्य पूर्ण विकास एवं सोच की नितांत आवश्यकता है। मौसम विभाग के अनुसार, तापमान में और वृद्धि हो सकती है। साथ ही मध्य हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियर पिघलने और हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विज्ञान केन्द्र के निदेशक के अनुसार, प्रदेश में फिलहाल मौसम शुष्क रहेगा।

ज्योतिष की बातें - 119

31 मार्च 2023 को बुध मेष राशि में प्रवेश करेगा। उसके पूर्व 27 मार्च को बुध उदय भी हो जाएगा। मेष राशि में बुध राहु से ग्रस्त रहेगा अत: गोचर में जड़त्व योग का निर्माण होगा। साथ ही शनि की दृष्टि भी बुध पर पड़ेगी। इस कारण बुध अत्यन्त निर्बल रहेगा। बुद्धि विकार उत्पन्न होता रहेगा। बुध फलदीपिका के अनुसार दूसरे, चौथे, छठे, आठवें, दसवें और ग्यारहवें स्थान पर शुभ फल प्रदान करता है अत: अगले 68 दिन बुध वाणिज्य, व्यापार, लेखन कार्य, बौद्धिक कार्य आदि अपने कारक विषयों में मीन, मकर, वृश्चिक, कन्या, कर्क व मिथुन राशि के जातकों को अल्प मात्रा में शुभफल प्रदान कर सकता है। अन्य राशि के जातकों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए।

31 मार्च 2023 को गुरु अस्त हो जाएगा अत: अगले 30 दिन गुरु के शुभाशुभ फलों में कमी अनुभव होगी। साथ ही गुरु की अस्तावस्था में लगभग 30 दिन विवाह आदि मांगलिक कार्य व गृह प्रवेश आदि शुभ कार्य स्थगित रहेंगे।

श्रीरामनवमी- चौत्र शुक्लपक्ष नवमी मध्याह्न व्यापिनी तिथि में रामनवमी का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार गुरुवार 30 मार्च को रामनवमी का पर्व उल्लास पूर्वक मनाया जाएगा । इस दिन रामायण के बालकाण्ड के रामजन्म प्रसंग का पाठकर रामजन्मोत्सव मनाना चाहिए ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

सम्यक विचार- 10

महिला अपराध

आजकल महिलाओं से सम्बन्धित इस प्रकार के समाचार बहुत आते हैं जैसे- महिलाओं के प्रति अपराध, महिला सशक्तिकरण, महिला आरक्षण, महिलाओं की तरक्की आदि आदि। इन समाचारों को पढ़कर ऐसा लगता है कि महिलाएँ पुरुषों से अलग हैं, उनका अलग ही देश है, अलग ही दुनिया है, वे अपनी सृष्टि स्वयं ही करती हैं। और पुरुष उनके देश में घुसकर अपराध करके भाग आता है।

मैं लोगों से पूछना चाहता हूँ कि क्या जब किसी महिला पर अपराध होता है तो क्या उसके पति को कष्ट नहीं होता? उसके भाई को दुख नहीं होता? उसके पुत्र को क्रोध नहीं आता? ये सभी पुरुष ही तो होते हैं। जब किसी पुरुष पर अत्याचार होता है तो क्या उसकी पत्नी, उसकी माँ, उसकी बहन, उसकी पुत्री को दुख नहीं होता है? यह सभी पुरुष नहीं, स्त्रियाँ हैं। जब किसी घर में पुरुष की नौकरी छूट जाती है तो उसके घर में रहने वाले स्त्री पुरुष दोनों को दु:ख नहीं होता? देखा यह भी जाता है कि महिलाओं के प्रति अपराध करने वालों में केवल पुरुष ही नहीं बल्कि महिलाएँ भी होती हैं ।

वास्तव में स्त्री पुरुष दोनों अलग-अलग नहीं, एक साथ हैं। एक के दुख सुख से दोनों ही प्रभावित होते हैं । इसलिए महिला के साथ कोई अपराध होता है तो वह महिला के प्रति ही नहीं बल्कि उसके पूरे परिवार के प्रति, पूरे समाज के प्रति अपराध होता है। स्त्री पुरुष में ऐसा भेदभाव नहीं करना चाहिए।

- सरल

तू चला चल

डगर-डगर, नगर-नगर, तू चला चल,
ना देख इधर,ना देख उधर, तू चला चल,
हवा की तरह बहता चल
लहर की तरह लहराता चल
सूरज की तरह तपता चल
दिये की तरह जलता चल
तू चला चल, तू चला चल।
रुकना नहीं, झुकना नहीं
थमना नहीं, जमना नहीं
करले विश्राम पल दो पल
तू चला चल, तू चला चल।
जाना है बहुत दूर
मिलेगी मंजिल जरूर
पथ में होंगी कठिनाइयां मगर
तू चला चल, तू चला चल।
जब आशाओं का साथ होगा
और हौसलों का हाथ होगा
तो मंजिल भी मिल जाएंगी
तेरे नाम की पताका चहुँ दिशा लहरायेगी
तू चला चल, तू चला चल,
तू चला चल, तू चला चल ।।

-रेनू कपूर

मेडिकल कालेज प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी

अल्मोड़ा। मेडिकल कालेज में बदहाल स्वास्थ्य सुविधाओं को सुधारने की मांग को लेकर पूर्व दर्जा मंत्री बिट्टू कर्नाटक ने सरकार व कालेज प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। आठ सूत्रीय मांग को लेकर बिट्टू ने अपने समर्थकों के साथ मेडिकल कालेज प्रशासनिक भवन में धरना भी दिया। उन्होंने कहा कि लम्बी लड़ाई के बाद यह मेडिकल कालेज खुला लेकिन स्वास्थ्य सुविधाओं के आभाव में यहाँ के लोग आज भी हायर सेन्टर रेफर हो रहे। विशेषज्ञ चिकित्सकों के अभाव में अस्पताल में जटिल आपरेशन नहीं हो पा रहे हैं। अस्पताल में ईको जाँच, एमआर आई की सुविधा भी मरीजों को नहीं मिल पा रही है। दूसरी ओर मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा.सी.पी.भैसोड़ा का कहना है कि मेडिकल कालेज में व्यवस्थाएं सुधारी जा रही हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

व्यास घाटी में विवाह रस्म के लिये सुन्दर निर्णय

शराब परोसने पर ५५ हजार का जुर्माना लगेगा, हल्दी के नाम पर फिलूलखर्ची नहीं

धारचूला। सीमान्त की घाटियां बार-बार अपनी प्रथा के साथ नई फिलूलखर्चों पर रोक करते हुए समाज को सन्देश रही हैं। इसी प्रकार का सुन्दर निर्णय व्यास घाटी की ओर से भी दिया गया है। जैसा की इन दिनों में 'हल्दी' के नाम पर फिलूल खर्ची का प्रचलन बढ़ता जा रहा है, इसे रोकने का निर्णय भी व्यास वासियों ने लेकर प्रेरणा दी है।

नाबी मिलन केन्द्र धारचूला में व्यास मेला समिति की बैठक में 17 नियम तय किये गये। तय किया गया कि व्यास घाटी के पाँच गाँवों में अब विवाह समारोह के दौरान शराब नहीं परोसी जाएगी। व्यास ऋषि मेला समिति की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए तय किया गया कि विवाह में शराब परोसने या अन्य नियमों का उल्लंघन करने वाले परिवारों को जुर्माने के तौर पर 55 हजार रुपये भी देने होंगे। मेला समिति के संरक्षक कुशल नपलच्याल और अध्यक्ष मदन नबियाल के नेतृत्व में आयोजित बैठक में यरजुमखू समिति के अन्तर्गत आने वाले नप्लचु, गुंजी, रोंगकोंग, नाबी, और कुटी गाँवों में पूर्व में हुई बैठकों के आधार पर 17 प्रस्ताव पर निर्णय लिये गये।

बैठक में तय किया गया कि फिजूल खर्ची रोकने के लिये हल्दी कार्यक्रम पर प्रतिबन्ध रहेगा। विदेशी मदिरा पर पूर्णत: प्रतिबन्ध के अलावा लड़की के विवाह में उपहार नगद धनराशि भेंट न करने, कन्या की विदाई पर समस्त ग्रामसभा वासियों का उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

उल्लेखनीय है कि व्यास घाटी में पाँच हजार की आबादी रहती है। अपनी संस्कृति के प्रति जागरुक जनों के निर्णयों से शहरी हवा में भटक रहे लोगों को भी प्रेरित होना चाहिये। विवाह समारोह के नाम पर बहुत फिजूल फैल रहा है।

वैसाली गाँव की शराबियों को चेतावनी, छापे मारे

बेरीनाग के वैसाली गाँव की महिलाओं ने प्रदर्शन करते हुए इलाके में प्रतिबन्ध लगाया

बेरीनाग। शराब से त्रस्त हो चुके वैसाली गाँव के लोगों ने अब सख्ती कर डाली है। क्षेत्र की महिलाओं ने विशाल जुलूस निकालते हुए प्रदर्शन किया और शराब बिक्रेताओं और शराबियों को चेतावनी दी कि वह शराब बेचने व शराब पीकर गाँव में न आएं।

वैसाली गाँव में शराब रोकथाम को सड़क पर उतरी महिलाओं ने बताया कि शराब की सूचना पर वह कई जगह छापेमारी कर चुकी हैं। बताया जा रहा है कि महिलाओं की छापेमारी की सूचना पर शराब कारोबारी भाग गये लेकिन कई शराबी पकड़े गये। महिलाओं ने बाजार में जुलूस निकालते हुए शराब बचने और पीने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि पकड़े जाने पर उक्त व्यक्ति को वह पुलिस के हवाले कर देंगी।

विकासखण्ड के वैसाली गाँव में महिलाओं ने बैठक कर शराब बन्दी की। ग्राम प्रधान रेखा देवी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाओं ने शराब के कई अड्डों पर छापा मारा। लेकिन उन्हें कोई शराब कारोबारी नहीं मिला। बाद में महिलाओं ने गाँव में जुलूस निकाला। कई ग्रामीण नशे की हालत में मिले। महिलाओं ने चेतावनी देते हुए शराब से दूर रहने को कहा। महिलाओं ने कहा कि शराब के कारण कई घर तबाह हो चुके हैं। अब वे अपने गाँव में किसी परिवार को बर्बाद नहीं होने देंगे। यहाँ महिला समूह की अध्यक्ष पूनम रावत, सचिव विमला रावत, सहालकार शीला रावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपा रावत, उपाध्यक्ष गीता रावत सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थे। महिलाओं के इस प्रदर्शन के बाद आस-पास के ग्रामीणों क्षेत्रों में भी सुगबुगाहट है कि शराब को नियन्त्रण करने के लिये ऐसा अभियान चले।

सावधान रहें। वायरस का दिखने लगा है असर। खांसी-बुखार के मरीजों की अस्पताल में भीड़

परिक्रमा

एच3एन2, इंफ्लूएंजा वायरस की दस्तक ही है कि खांसी-बुखार के मरीजों से अस्पताल भरने लगे हैं। ऐसे समय में सभी को सावधान रहना चाहिये। इसके लिये घरेलू नुस्खे और इम्यूनिटी बढ़ज्ञने पर ध्यान देते हुए संभलना होगा अन्यथा यह रोग तेजी से फैलेगा।

सीजनल फ्लू का एक स्वरूप एच3एन2 का खतरा बढ़ते ही अस्पतालों में खांसी, बुखार, नाक बन्द, जुखाम और गले में दर्द के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। मौसम बदलाव के कारण वायरस तेजी से लोगों की इम्युनिटी को कमजोर कर रहा है। चिकित्सकों की मानें तो वायरल के कारण आने वाला बुखार सामान्यत: 3 से 4 दिन रहता है। लेकिन कुछ केस में 6 से 7 दिन में भी बुखार ठीक नहीं हो रहा है। मरीजों में बुखार टूटने के बाद खांसी शुरु होती है और यह लम्बे समय तक रहती है। सर्दी-खांसी के मरीजों से दूरी बनाए रखने, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने तथा भीड़ में मास्क का उपयोग करने से ही वायरस की चपेट में आने से बचा जा सकता है।

नैनीताल बीडी पाण्डे अस्पताल में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। पीएमएस डॉ. एलएमएस रावत ने बताया कि प्रतिदिन अस्पताल में 500 मरीज पहुँच रहे हैं। वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. एम.एस.दुग्ताल ने बताया कि इन दिनों वायरल फीवर के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। हल्द्वानी सुशीला तिवारी, बेस और महिला अस्पताल में मरीजों की भारी भीड़ इन दिनों में लग चुकी है। सीएमओ भागीरथी जोशी ने बताया कि सभी अस्पतालों को एडवाइजरी जारी कर दी गई है। लैबों को भी टैक्ट में पाजिटिव आने वालों की सूचना तत्काल देने को कहा गया है। उन्होंने सभी से सतर्कता की अपील की है।

हल्द्वानी के हर वार्ड में बनेगा स्वागत द्वार

नगर निगम की टीम का अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी। मछली बाजार में जेसीबी गरजी

हल्द्वानी। नगर निगम सभी 60 वार्डों में स्वागत द्वार बनाने जा रही है। बोर्डों के लिये टेण्डर प्रक्रिया शुरु हो गई है। कहा जा रहा है कि इससे राजस्व कोष में भी इजाफा होगा। निगम अपने 60 वार्डों के मुख्य रास्तों पर प्रवेश द्वार स्थापित करेगा, इसके लिये निगम ठेका कराएगा। यह ठेका दस वर्षों के लिये मान्य होगा।

स्वागत द्वार के आधे हिस्से में ठेकेदार विज्ञापन लगाकर रुपये कमा सकेंगे। शेष हिस्से में वार्ड का नाम, पार्षदों के नाम, वार्ड संख्या, नगर आयुक्त और मेयर का नाम अंकित होगा। इसके बदले में नगर निगम ठेकेदारों से 20 हजार रुपये हर साल की दर से वसूलेगा। इसके जरिए नगर निगम को प्रतिवर्ष 12 लाख रुपये मिलने की उम्मीद है।

इन स्वागत द्वारों में नगर निगम का टोल फ्री नम्बर भी अंकित किया जायेगा। जिससे लोग वार्डों में सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, कूड़ा प्रबन्धन इत्यादि जानकारी नगर निगम को दे सकेंगे। इस बीच निगम में स्वास्थ्य अधिकारी मनोज काण्डपाल ने बताया कि हर वार्ड में स्वागत द्वार लगने से नगर निगम को न सिर्फ राजस्व प्राप्त होगा बल्कि वार्डों के सौन्दर्यीकरण में इजाफा होगा।

नगर निगम टीम द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान भी चलाया जा रहा है। इसके तहत मछली बाजार में जेसीबी से कब्जे ध्वस्त किये गये। सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट के नेतृत्व में निगम की टीम ने मछली बाजार में सड़क किनारे नाले पर अतिक्रमण हटवाए। गांधी नगर में नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय की अगुवाई में टीम ने स्लाटर हाउस का निरीक्षण किया। कुमाऊँ मण्डलायुक्त के पास बिना लाइसेंस के स्लाटर हाउस में पशु कटान की शिकायत पहुँची थी। नगर आयुक्त ने आवश्यक निर्देश दिये।

उत्तराखण्ड बार काउंसिल की समितियां गठित हुई

महेन्द्र पाल अध्यक्ष, कुलदीप सिंह उपाध्यक्ष, मेहरबान सिंह कोरंगा सचिव

नैनीताल। उत्तराखण्ड बार काउंसिल की विभिन्न समितियां गठित हो चुकी हैं। इससे पहले बार काउंसिल के चुनाव में पूर्व सांसद डॉ. महेन्द्र सिंह पाल को कमान सौंपी गई।

उत्तराखण्ड बार काउंसिल कार्यालय में काउंसिल अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के चुनाव हुए। मतगणना के बाद नैनीताल के पूर्व सांसद डॉ. महेन्द्र सिंह पाल अध्यक्ष और हरिद्वार के कुलदीप सिंह उपाध्यक्ष पद पर विजयी रहे। सदस्य सचिव मेहरबान सिंह कोरंगा ने विजेताओं के नाम की घोषणा की।

बार काउंसिल के चुनाव में अध्यक्ष पद पर डॉ. महेन्द्र सिंह पाल, योगेन्द्र सिंह तोमर चुनाव मैदान में थे। उपाध्यक्ष पद के लिये कुलदीप सिंह व मुनफैत अली के बीच मुकाबला था। चुनाव प्रक्रिया में काउंसिल के 20 सदस्य समेत महाधिवक्ता ने भाग लिया। अध्यक्ष पद पर डॉ. पाल को 11 और तोमर को 9 मत मिले। एक मत अवैध घोषित हुआ। इसी तरह उपाध्यक्ष पद पर भी कुलदीप सिंह को 12 और मुनफैत अली को 9 मत मिले। चुनाव के बाद विभिन्न समितियों का गठन किया गया।

काउंसिल की पंजीकरण समिति में राकेश गुप्ता, नन्दन कन्याल, रंजन, कार्यकारिणी समिति में राज बिष्ट, प्रभात कुमार चौधरी, सुरेन्द्र पुण्डीर, राकेश गुप्ता, सुखपाल सिंह हैं। ट्रस्ट कमेटी में सुरेन्द्र सिंह पुण्डरी, राकेश गुप्ता, इस्टेब्लिशमेंट कमेटी में प्रभात चौधरी, नियम समिति में डी.के. शर्मा, सुरेन्द्र पुण्डरी, राकेश गुप्ता, अर्जुन भण्डारी, नन्दन कन्याल हैं।

अधिवक्ता हितकारी समिति में डी. के. शर्मा, मदन कन्याल, पीके चौधरी, अनिल सिंह, एस.भण्डारी, कानूनी सहायता समिति में अनिल पंडित, राकेश गुप्ता, सुरेन्द्र पुण्डीर, एस.भण्डारी, पीके चौधरी हैं।

पूर्व सांसद डॉ.पाल को काउंसिल का अध्यक्ष बनने पर तमाम संस्थाओं ने बधाई दी है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

लमगड़ा व धौलादेवी मार्गों की दशा सुधरेगी

अल्मोड़ा। लमगड़ा और धौलादेवी विकास खण्ड के मार्गों की दशा सुधरेगी। शासन ने इन सड़कों के डामरीकरण और सुधारीकरण के लिये करीब 55 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। धौलादेवी विकासखण्ड के दन्या-आरासल्पड़ और लमगड़ा में जैंती-पीपली, थुवासीमल-चायखान, भनोली-जैंती सड़क मार्ग लम्बे समय से बदला है।

विकासनगर में ६०० परिवारों को नोटिस

देहरादून। विकासनगर क्षेत्र में डाकपत्थर से कुल्हान तक शक्ति नहर के किनारे उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम की सैकड़ों बीघा जमीन पर हुए कब्जे को खाली कराने को लेकर प्रशासन ने करीब 600 कब्जाधारियों को नोटिस भेज दिया है। ऐसे में आन्दोलन की सुगबुगाहट है और कांग्रेस नेता नवप्रभात प्रदर्शनकारियों के समर्थन में हैं।

पाटी ब्लाक सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग

चम्पावत। काश्तकारों ने पाटी ब्लाक को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग की है। इस सम्बन्ध में काश्तकारों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन प्रेषित किया है। उनका कहना है कि सूखे से उनकी फसल चौपट हो गई है। क्षेत्र में बीते वर्ष अक्टूबर में बारिश हुई थी। 5 माह से अधिक समय बीतने के बाद भी बारिश नहीं हुई है।

ग्रामीणों ने मुआवजे को लेकर प्रदर्शन किया

टनकपुर। देवीपुरा के ग्रामीणों ने तहसील में मुआवजे की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने एसडीएम के माध्यम से ज्ञापन देकर जल्द भवनों का मुआवजा देने की मांग की। प्रधान दीपक प्रकाश चन्द के नेतृत्व में ग्रामीणों ने कहा कि नेपाल के दोधारा चन्दनी में बन रहे सुखा बन्दरगाह को जोड़ने के लिये बनबसा के जगबुड़ा पुल से प्रस्तावित नेपाल सीमा तक एनएचआई फोरलेन हाईवे का निर्माण कर रहा हे, इसकी जद में ग्रामीणों की भूमि व आवासयी भवन आ रहे हैं। बिना मुआवजा के कार्रवाई बर्दाश्त नहीं होगी।अ

फलसीमा में भूमि खरीद-फरोख्त की जाँच होगी

गोलखातों की भूमि बेचने का आरोप, प्रदर्शन पर उतरे

अल्मोड़ा। शहर व आसपास बाहरी राज्यों के लोगों द्वारा जमीनों की खरीद-फरोख्त को लेकर बढ़ती जा रही सक्रियता के बाद प्रदर्शन होने लगे हैं। गुस्साए ग्रामीणों ने कलक्ट्रेट में जाकर प्रदर्शन किया। आरोप है कि फलसीमा में बाहरी व्यक्ति जमीन खरीद में है। गोलखातों की भूमि बेची जा रही है। इस पर जिलाधिकारी ने ग्रामीणों की जमीन की अवैध खरीद-फरोख्त की जाँच को कह दिया है।

फलसीमा गाँव में बाहरी व्यक्ति द्वारा करीब सौ नाली जमीन खरीदने का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। सन्देह किया गया है कि सम्बन्धित व्यक्ति ने सवा-सवा नाली जमीन की अलग-अलग लोगों के नाम रजिस्ट्री कराई होगी या फिर स्थानीय लोगों के नाम पर ही जमीन खरीदी होगी। सात माह के भीतर बाहरी राज्य के व्यक्ति ने बड़े पैमाने पर जमीनें खरीद ली। इसी बात को लेकर ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों का आरोप है कि बाहरी राज्य के एक व्यक्ति ने दो स्थानीय सफेदपोशों के साथ मिलकर उनकी गोल खातों की सामूहिक भूमि को खरीदा है। बताया कि भू-माफिया लोभ देकर ग्रामीणों की जमीनों को कब्जाने की साजिस रच रहे हैं। उपजाऊ भूमि को बंजर दिखाकर स्टाम्प शुल्क से सरकार को करोड़ों का चूना लगाया जा रहा है।

ग्रामीणों ने बैठक कर स्थानीय लोक देवता मन्दिर में भी गुहार लगाई है। उन्होंने कहा कि अपनी जमीनों को इस प्रकार नहीं लुटने देंगे। ग्रामीणों ने एसडीएम सीएस मर्तोलिया को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि ग्रामीण जीवन गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी और अन्य परेशानियों से जूझ रहा है। इस बात का कुछ स्थानीय कथित नेता और बाहरी राज्यों के भूमाफिया फायदा ले रहे हैं। इनके फर्जीबाड़े को रोका जाना चाहिये। उन्होंने बताया कि उनकी भूमि का विधिवत बंटवारा भी नहीं हुआ है जिसे कब्जाने का प्रयास किया जा रहा है। यह सब बर्दाश्त नहीं होगा। प्रदर्शन करने वालों में विनोद सिंह, त्रिलोक सिंह, भूपाल सिंह, पप्पू सिंह, केशर सिंह, सरस्वती देवी, हेमा देवी, आकाश सिंह, विशन सिंह, धीरज सिंह, दीवान सिंह, लक्ष्मण सिंह थे। उपपा के केन्द्रीय अध्यक्ष पी.सी. तिवारी ने कहा है कि वह ग्रामीणों के साथ हैं और जमीन खरीद-फरोख्त की जाँच करवाई जाएगी। उपजाऊ जमीन को कब्जाने का विरोध होगा।

ग्रामीणों की सुनने के बाद डीएम वन्दना ने कहा है कि पूरे मामले की जाँच होगी और इसमें जो भी गड़बड़ी पाई गई उसमें कार्रवाही भी होगी।

पिथौरागढ़ में विकसित की जाएगी तिमूर घाटी

पिथौरागढ़। इस बार बजट सत्र में शासन की ओर से पिथौरागढ़ में तीन साल में तिमूर घाटी विकसित करने की बात कही गयी है। बताते चलें कि पूरे जनपद में तिमूर का खासा उत्पादन होता है। यदि भविष्य में पिथौरागढ़ में तिमूर घाटी विकसित होगी तो किसानों की आय बढ़ेगी।

सीमान्त जिले के धारचूला, मुनस्यारी, गंगोलीहाट, बेरीनाग, मूनाकोट, कनालीछीना सहित अन्य क्षेत्रों में तिमूर का उत्पादन प्रचुर मात्रा में होता है परन्तु अभी तक इसका व्यावसायिक प्रयोग नहीं किया जा रहा है। इसका उपयोग मसले, चटनी, टूथपेस्ट आदि में किया जाता है। 8-10 मीटर ऊँचाई के पेड़ का तना, लकड़ी, छाल, फूल, पत्ती से लेकर बीज तक औषधीय गुण से भरपूर है। तिमूर का बीज बहुत गर्म होता है और उच्च हिमालयी क्षेत्रों में रहने वाले लोग भोजन में प्रयोग करते हैं। इसका सूप गुणकारी है।

छिपलाकेदार में ट्रेकिंग रूट बनाएं

पिथौरागढ़। जिलाधिकारी रीना जोशी ने वन, पर्यटन, पशु विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने और औषधि उत्पादों के कलस्टर विकसित करने को लेकर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने वन विभाग को छिपलाकेदार में ट्रेकिंग रूट, वन पंचायतों में अस्थायी टैंट विलेज बनाने, होमस्टे को बढ़ावा देने के निर्देश दिये।

डीएफओ जीवन मोहन ने जिले में ईको टूरिज्म बढ़ाने की कार्ययोजना डीएम के समक्ष प्रस्तुत की। उसके बाद जिला अधिकारी ने छिपलाकेदार में ट्रेकिंग रूट, वन पंचायतों में अस्थायी टैंट विलेज बनोन, होमस्टे को बढ़ावा देने, नेचर गार्ड की ट्रेनिंग, ईको टूरिज्म के क्षेत्र में कार्य करने वालों को चिन्हित करने को कहा।

उन्होंने हाउसकीपिंग की ट्रेनिंग सहित अन्य कार्यों को भी कार्ययोजना में शामिल करने के निर्देश दिये। डीएम ने मुख्य विकास अधिकारी वरुण चौधरी को वन पंचायतों के सरपंचों एवं ईको टूरिज्म के क्षेत्र में कार्य करने वालों के साथ बैठक कर सुझाव लेने को कहा। बैठक में डिग्री कालेज जन्तु विज्ञान विभाग के असि.प्रो.सचिन बोहरा भी थे।

मार्ग बन्द करने पर ग्रामीणों ने ज्ञापन दिया

रानीखेत। चौबटिया स्थित 99 माउंटेन ब्रिगेड की 27 पंचाब द्वारा ग्रामीणों व स्थानीय टैक्सी, स्थानीय जनता को बेवजह परेशान करने से गुस्साए लोगों ने संयुक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि झूलादेवी से चौबटिया मार्ग को जाने वाले रास्ते को सेना द्वारा बन्द कर दिया गया है। जिससे लोगों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्कूली बच्चों, मरीजों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। क्षेत्र वासियों ने संयुक्त मजिस्ट्रेट से जनता की परेशानी देखते हुए मार्ग खुलवाने का अनुरोध किया है।

गाँव व स्कूल को दिये चिकित्सा उपकरण

धारचूला। सीमा क्षेत्र में एसएसबी ने अपने सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों को चिकित्सा उपकरण प्रदान किए। बताया कि इन उपकरणों से जरूरत पड़ने पर क्षेत्र के ग्रामीण और स्कूली बच्चों को मदद मिलेगी। एसएसबी 11वीं वाहनी की गोटी चौकी में में सहा.कमाण्डेंट चिकित्सा डॉ. नवनीत गिल उपस्थित थे।

हत्याकाण्ड : दहला देने वाली घटना

बागेश्वर। सदर कोतवाली क्षेत्र के घिरौली के जोशीगाँव में महिला समेत उसके तीन मासूम बच्चों की हत्या दहला देने वाली घटना है। मूल रूप से कपकोट तहसील के भूपाल राम घिरौली में में किराए के मकान में रहता है, विगत दिवस इसके मकान से दुर्गन्ध आने पर लोगों को शक हुआ और दरवाजे तोड़कर शवों को निकाला गया। भूपाल कर्ज में डूबा था लेकिन इस प्रकार की घटना बहुत ही डरावनी और असुरक्षा है।

भीमताल झील का जल स्तर गिरा

भीमताल। भीमताल झील का जल स्तर इस बार मार्च में ही गिर गया। झील में दूर तक मैदान दिखाई दे रहा है। समाजसेवी पूरन बृजवासी ने जिला प्रशासन से झील सफाई, टूटी रैलिंग व दीवार के निर्माण की मांग की है। कहा कि भीमताल झील की सफाई का मामला तीन दशक से अधर में है।

मलबा आने से हैड़ाखान मार्ग अवरुद्ध

हल्द्वानी। काठगोदाम-हैड़ाखान मार्ग मलबा आने से बाधित बना हुआ है। इससे ओखलकाण्डा और चम्पावत को जोड़ने वाले सैकड़ों गाँव का सम्पर्क हल्द्वानी से कटा हुआ है। इस मार्ग पर पिछले चार माह से दिक्कत बनी हुई है।

नहीं मिला पानी

कालाढूंगी। विदरामपुर चकलुवा के लोगों ने सिंचाई विभाग पर अनदेखी का आरोप लगाया है। वर्षा न होने के कारण किसानों की गेहूं की फसल प्रभावित हो रही है, वहीं सिंचाई के लिये पानी नहीं मिल रहा है।

दिनेशपुर में प्रेम सिंह धर्मशक्तू स्मृति राज्य स्तरीय प्रतियोगिता

दिलीपनगर मर्तोलिया क्लब का बालीबाल टाफी पर कब्जा

रुद्रपुर/दिनेशपुर। समाजसेवी प्रेम सिंह धर्मशक्तू की स्मृति में राज्य स्तरीय बालीबाल प्रतियोगिता के फाइनल मैच में मर्तोलिया क्लब दिलीपनगर चौधरी क्लब दानपुर के बीच मुकाबला हुआ। दिलीपनगर की टीम ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 5 राउण्ड में 25-22 से दानपुर (रुद्रपुर) की टीम को हराकर विजेता ट्राफी जीती। दिलीपनगर टीम के खिलाड़ी नव मैन ऑफ द सीरीज एवं मैन ऑफ द मैच रहे।

दिलीपनगर धर्मशक्तू परिवार की ओर से प्रथम बार राज्यस्तरीय बालीबाल प्रतियोगिता का सामजसेवी प्रेम सिंह धर्मशक्तू की पत्नी पूर्व प्रधान सुन्दरी देवी धर्मशक्तू ने उनके चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। मुख्य अतिथि पूर्व आईजी पूरन सिंह रावत, सहकारी समिति अध्यक्ष भगत सिंह धर्मशक्तू, समाजसेवी भगवत सिंह पांगती, देव सिंह धर्मशक्तू व बलवन्त सिंह पांगती ने संयुक्त रूप से फीता काटकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इसके बाद प्रतियोगिताएं आरम्भ हुई। निर्णायक की भूमिका में लोकपाल शाही, प्रियांशु धर्मशक्तू, लकी सिंह धर्मशक्तू, सूरज पांगती थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीरेन्द्र सिंह मर्तोलिया व संचालन सुरेश मर्तोलिया, सन्तोष ठगुना व उदय धर्मशक्तू ने किया। इस अवसर पर अतिथितियों में विधायक अरविन्द पाण्डेय, मोहन सिंह पानू, चन्दन नयाल, कूल्हा प्रधान सुन्दर गिरी गोस्वामी, कोपा प्रधान मनोज देवराड़ी, मदनपुर पुधान हेमगिरी गोस्वामी उर्फ हिमांशु व मोहित चौहान ने समाजसेवी प्रेमसिंह धर्मशक्तू के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की। अतिथियों ने स्व. धर्मशक्तू का स्मरण करते हुए कहा कि प्रेम सिंह धर्मशक्तू ने आजीवन समाज के सभी वर्गों की सेवा व मदद की है। उन्हें क्षेत्रवासी कभी नहीं भुला सकेंगे। उनकी स्मृति में राज्य स्तरीय बालीबाल प्रतियोगिता आयोजित होने से क्षेत्र की युवा प्रतिभाओं को अवसर मिलेगा। आयोजक पूर्व प्रधान सुन्दरी देवी धर्मशक्तू व देवेन्द्र सिंह धर्मशक्तू उर्फ दीपू पधारे मेहमानों को प्रतीक चिन्ह भेंट करते हुए आगे भी सहयोगी बनने को कहा। इस अवसर पर गंगा सिंह मर्तोलिया, मनोज रावत, विष्णु धर्म शक्तू, लक्ष्मण सिंह रावत, खेम सिंह धर्मशक्तू, रंजीत सिंह धर्मशक्तू, ईश्वर मर्तोलिया, वैभव गौतम, गणेश मर्तोलिया, शुभम पांगती, चन्दन सिंह मर्तोलिया, विनोद रावत, माइकल मर्तोलिया, किशोर सामन्त, सीता पांगती, निशा रावत उपस्थित थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चैत्र नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं-

ARDEN PROCGESSIVE SCHOOL
LAMACHAUR
Haldwani

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारात घर
नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
मुनस्यारी
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल एवं जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi
Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

सप्ताह के पर्व

चैत्र शुक्ल पक्ष
27 मार्च- संकट षष्ठी
29 मार्च- दुर्गाष्टमी
30 मार्च- राम नवमी
31 मार्च- धर्मराज दशमी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती
फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते-
जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)